नवजात शशिुओं का अस्तति्व: भारत का रैंक सोमालयिा से नीचे

सन्दर्भ

मेडकिल जरनल ‘द लांसेट’ में प्रकाशति एक नवीनतम अध्ययन “ग्लोबल बर्डन ऑफ डज़िीज़” (Global Burden of Disease- GBD) के अनुसार, भारत में जन्में शशिुओं के जीवति रहने की संभावना सोमालयिा और अफगानस्तिान में जन्में शशिुओं की अपेक्षा कम होती है| इस पत्रकिा में प्रकाशति लेख के अनुसार, स्वास्थ्य देखभाल एवं गुणवत्ता के लयि डी.जी.बी. रैंकगि में भारत 11 पायदान नीचे खसिक गया है| गौरतलब है कि इस रपिोर्ट की रैंकगि में भारत 195 देशों की सूची में 154वें स्थान पर है|

कसिने कयिा है यह अध्ययन?

उल्लेखनीय है कि “द ग्लोबल बर्डन ऑफ डज़िीज़, इंजरीस, एंड रस्कि फैक्टर्स” अध्ययन 'इंस्टटि्यूट ऑफ हेल्थ मैट्रक्सि एंड इवोल्यूशन' (आई.एच.एम.ई.) द्वारा कयिा गया है| वस्तुतः यह एक स्वतंत्र जनसंख्या स्वास्थ्य शोध केंद्र है जो वाशगिटन वश्िववद्यिालय के साथ जुड़ा हुआ है| इसके संघ में 130 से भी अधकि देशों के 2300 शोधकर्ता शामलि हैं|

स्वास्थ्य देखभाल एवं गुणवत्ता के लयि डी.जी.बी. रैंकगि

- स्वास्थ्य देखभाल पहुँच एवं गुणवता सूची (हेल्थकेयर एक्सेस एंड क्वालटिी इंडेक्स), उन 32 बीमारयिों के कारण होने वाली मृत्यु दर पर आधारति है, जन्हिें समय पर चकित्सिकीय हस्तक्षेप से बचाया जा सकता है|
- स्वास्थ्य देखभाल एवं गुणवता के लयि डी.जी.बी. रैंकगि में भारत 11 पायदान नीचे खसिका है| इस समय भारत 195 देशों में 154वें स्थान पर है| गौरतलब है कि पछिले साल भारत का रैंक 188 देशों में 143 था|
- भारत का स्वास्थ्य देखभाल इंडेक्स 44|8 है जो दक्षणि एशयिा के देशों में सबसे कम है| इस उप-महाद्वीप के अन्य देशों का इंडेक्स इस प्रकार है:

→ श्रीलंका	72|8
→ बांग्लादेश	51|7
→ भूटान	52|7
→ नेपाल	50|8
→ भारत	44|8

- इस सूची में शामलि देशों में सबसे शीर्ष पर अंडोरा है जसिका समग्र स्कोर 95 है तथा सबसे नम्निनतम रैंक वाला देश केंद्रीय अफ़्रीकी गणराज्य है, जसिका स्कोर 29 है|
- इस रैंकगि में भारत का नीचे खसिकना इस बात का संकेत है कि भारत स्वास्थ्य देखभाल लक्ष्यों को हासलि करने में असफल रहा है, वशिेष रूप से नवजात शशिु वकिार, मातृत्व स्वास्थ्य, यक्ष्मा एवं संधशिोध ह्रदय रोग के संबंध में|
- नवजात मृत्यु के मामले में, 1 से 100 तक के पैमाने में, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच एवं गुणवत्ता सूचकांक में भारत का स्कोर 14 है, जबकि अफगानस्तिान का स्कोर 100 में से 19, वहीं सोमालयिा का स्कोर 100 में से 21 है|
- भारत में यक्ष्मा के उपचार तक पहुँच का स्कोर 100 में से 26 है जो कि पाकस्तिान (29), कांगो (30) एवं जबिूती (29) से भी कम है|
- मधुमेह, जीर्ण गुर्दा रोग एवं जन्मजात ह्रदय रोग के मामले में भारत का स्कोर क्रमशः 38, 20, 45 है|
- नवजात शशिु वकिारों एवं जीर्ण गुर्दा रोगों के मामलों में भारत की रैंकगि वश्िव के सबसे बदतर देशों जैसी है|

नम्िनलखिति बीमारयिों के सन्दर्भ में 195 देशों में भारत का रैंक

→ स्वास्थ्य देखभाल पहुँच एवं गुणवता में	154
→ नवजात शशिु वकिार	185
→ गुर्दे की पुरानी बमिारी	176
→ यक्ष्मा	166
→ मधुमेह में डप्िथीरयिा	133

मृत्य अथवा चोट लगने के पाँच प्रमुख कारण

→ 15 केमकि हरदय रोग	15|65%
→ रक्त धमनी रोग	7|8%
→ डायरयिा (दस्त)	4|75%
→ मधुमेह	3|37%
→ नवजात अपरपिक्व जन्म जटलिताएँ	2|99%

मज़बूत अर्थव्यवस्था होना ही अच्छे स्वास्थ्य देखभाल की गारंटी नहीं

- आई.एच.एम.ई. के नदिशक एवं इस अध्ययन के वरषि्ठ लेखक डॉक्टर क्रसि्टोफर मरे का कहना है कि उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल तथा गुणवत्ता के बारे में जो पाया है वह काफी परेशान करने वाला है| उनका कहना है कि न तो केवल मज़बूत अर्थव्यवस्था होना ही अच्छे स्वास्थ्य देखभाल की गारंटी है, और न ही अत्यधकि चकित्सा तकनीक ही| उनके अनुसार, लोगों को रोगों के इलाज़ के लिये जसि तरह का उपचार मलिना चाहिये था, वैसा नहीं मलि पा रहा है|
- इस अध्ययन में भाग लेने वाले लन्दन स्कूल ऑफ हाईजनि एंड ट्रोपकिल मेडसिनि के प्रोफ्रेसर मार्टनि मेक्की के अनुसार, इस अध्ययन को जो इतना महत्त्वपूर्ण बनाता है, वह है इसका दायरा| दरअसल, जी.बी.डी. अध्ययन टीम द्वारा व्यापक डाटा संग्रहण कयिा गया था, और इस अध्ययन के आँकड़े भी वहीं से लिये गए हैं| इन आँकड़ों को इकट्ठा करने में जी.बी.डी. टीम ने इस बार धनी देशों के अलावा पूरे वशि्व को वसि्तार से कवर कयिा है|
- जैसे-जैसे वशि्व की सरकारें सार्वभौमकि स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्य (जनिके बारे में उन्होंने सतत् वकिास लक्ष्यों में प्रतबिद्धता व्यक्त की है) को लागू करने के लिये आगे बढ़ती हैं, ये आँकड़े उनको एक आवश्यक आधार रेखा प्रदान करेंगे, जहाँ से वे इनकी प्रगतपिर नज़र रख सकेंगी|

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/existence-of-newborns-india-rank-below-to-somalia